CBSE Class– Hindi

NCERT Solutions

रम झम पाठ- 14. मुत ही मुत

<u>तुहारी समझ</u>

(क) हर बार भीखभाइु कम दाम देना चाहतेथे| य ?

उ **र-** हर बार भीखभाइु कम दाम देना चाहतेथे य िक वेकंजूसथे|

(ख) हर जगह ना रयल केदाम म फक य था?

उ र- ना रयल केबगीचेम उनका दाम सबसेकम था य िक वहाँवह पैदा होता था ना रयल जैसे-जैसेआगेपहँचता गया, उसम और भी कम लोग क कमाई जुड़ती गई| इस लए हर जगह ना रयल केदाम म फक था|

(ग) या भीखभाइु को ना रयल सच म मुत म ही िमला? य ?

उ **र-** िभखभाई को ना रयल सच म मुत म ही नह िमला| उसके लए उ ह बहत मेहनत करनी पड़ी| इस तरह उनका मेहनताना

तो ना रयल क क मत सेकही यादा ही था|

(घ) वेखेत म बूढ़ेबरगद केनीचेबठै गए | तुहारेिवचार सेकहा नी बरगद को बुढ़ा य कहा गया होगा?

उ **र -** बरगद बहत पुराना होगा| उसक डा लयाँभी कमजोर हो गई होगी इस लए बरगद को बुढ़ा कहा गया होगा|

<u>भीखभाइु ऐसेथे</u>

कहानी को पढकर तुमभी िभखुभाई केबारेम काफ कुछ जान गए ह गे| िभखुभाई केबारेम कुछ बातेबताओं|

उ **र -** (क) उ ह खाने-पीनेका शौक

था| (ख) वह बहत कंजूसथे| (ग) वह

लालची भी थे| (घ) वेबात बनानेम

चतुरथे|

(ड़) वेअ धक खशीु म अपना होश खो देतेथे|

<u>या बढ़ा, या घटा</u>

कहानी जैसे-जैसेआगेबढ़ती है, कुछ चीज़ बढ़ती ह और कुछ घटती है| बता ओंइ नका या हआ , येघाट या बढ़े?

उ **र-** ना रयल का दाम

घटा भीखभाइु का लालच

बढ़ा रा तेक ल बाई बढ़ी

भीखभाइु क थकान बढ़ी

<u>कहो कहानी</u>

यिद इस कहानी म भीखभाई को ना रयल नह ब क आम खानेक इ छा होती तो कहानी आगेकैसेबढ़ती? बताओ?

उ **र-** िव ाथ 'पाठ का सार' पढ़ेऔर उसम ना रयल क जगह 'आम' लख| आम क क मत को ित िकल बताएँ|

<u>बात क बात</u>

कहानी म ना रयल वालेऔर भीखभाई क बातचीत िफर सेपढ़ो| अब इसेअपनेघर क बोली म लखो| उ र- िव ाथ अपनी-अपनी थानीय बोली केअनुसार ना रयल वालेऔर िभखभाई क बातचीत लख|

शदकबात

नाना-नानी पतीली-पतीला

ऊपर िदए गए उदाहरण क मदद सेनीचेदी गई जगह म सही श द लखो|

उ **र-** काका -

काक दज -दजन

म लन - माली

टोकरी - टोकर

मटका - मटक

गा-गी

<u>मडी</u>

"मडी म कोलाहल फैला हआ था| यापा रय क ऊँची-ऊँची आवाज गूँज रही थी| (क) मडी म या- या िबक रहा होगा?

उ **र-** आलू, याज, टमाटर, गाजर, बंदगोभी, फूलगोभी, बगन, सीताफल, पालक, लोक , शलगम, चुकंदर, िभडीं, करेला, िटंडा, िमच, लहसुन,अदरक, न बू,केला, सतरां, अगूरं,सेब, चीकू, पपीता, अम द, आिद|

(ख) मडी म तरह-तरह क आवाज सुनाई देती ह|

जैसे-ताजा टमाटर! बीस पया! बीस   पया! बीस   पया!

उ **र-** आलू!आलू!दस का िकलो! दस का िकलो! मीठी गाजर! मीठी गाजर! चार का पाव! चार का पाव अदरक-िमच! अदरक-िमच! पाँचकेपाव मीठेसेब! ताजेसेब! तीस पया! तीस पया!

(ग) या तुमअपनेआसपास क ऐसी जगह सोच सकतेहो जहाँबहत शोर होता है| उस जगह केबारेम लखो|

SHITAL SHAH : +91 88663 86844
STUDY STUDIO
STEP TO SUCCESS

उ **र-** मेरेघर सेथोड़ी दरीू पर एक माकट ह|ै वहाँबहत शोर होता रहता ह| वहाँसड़क केदोन िकनार पर दकानु बनी हई ह| वहाँिकरयानेक , कपड़ेक , िबजली केसामान क रेिडयो- टी.वी. क , िकताब-कॉिपय क दकानु ह| दकादारु ऊँची आवाज

लगाकर अपनेसमान क तारीफ करतेहए ाहक को लुभानेक कोिशश करतेह|

<u>**गुजरात क झलक**</u>

(क) 'मुत ही मुत' गुजरात क लोककथा है| इस लोककथा केिच म ऐसी कौन-सी बात ह जनसेतुमयह अदाजा लगा सकते

हो|

उ र- इस लोककथा केिच म भीखभाई केपहनावे,पेड़-पौधे,मडीं के य, ऊँट क पीठ पर लगा कपड़ा, ऊँटवाले,घोड़ेवाले, माली आिद केव को देखकर हम अदाजां लगा सकतेह िक 'मुत ही मुत' गुजरात क लोककथा ह|

(ख) गुजरात म िकसी का आदर करनेके लए नाम केसाथ भाई बेन (बहन) जैसेश द का योग होता ह| तेलुगुम नाम केआगे

'गा ' और िहंदी म 'जी' जोड़ा जाता ह|

तुहारी क ा म भी अलग-अलग भाषा बोलनेवालेब चेह गे!पता करो और लखो िक वेअपनी भाषा म िकसी को आदर देनेके

लए िकन-िकन श द का इ तेमाल करतेह|

उ र- िव ाथ अपनी क ा म सहपािठय सेपूछकर अलग-अलग भाषाओंम बोलेजानेवालेआदरसूचक श द क सूची बनाएँ|